



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4
PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 46]

नई दिल्ली, बुधवार, नवम्बर 19, 1992/कार्तिक 28, 1914

No. 46]

NEW DELHI, THURSDAY, NOVEMBER 19, 1992/KARTIKA 28, 1914

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड

अधिसूचना

नम्बर, 19 नवम्बर, 1992

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (अंतरंग व्यापार) विनियम,
1992

संख्या एल. ई./6308/92.—बोर्ड, भारतीय प्रतिभूति और विनियम
बोर्ड, अधिनियम, 1992 (1992 का 15) की धारा 30 द्वारा
प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार के पूर्व अनुमोदन से
निम्नलिखित विनियम बनाता है; अर्थात्:—

अध्याय

प्रारम्भ

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ—(1) इन विनियमों का संक्षिप्त
नाम भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (अंतरंग व्यापार) विनियम,
1992 है।

(2) ये विनियम राजपत्र में उनके प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त
होंगे।

2. परिभाषाएं—इन विनियमों में जब तक संदर्भ से अन्यथा
अवधि न हो,—

(क) "अधिनियम" से भारतीय प्रतिभूति और विनियम अधिनियम,
1992 (1992 का 15) अभिप्रेत है;

(ख) "निगमित तिकाय" से कंपनी अधिनियम, 1956 (1956
का 1) की धारा 2 में यथापरिभाषित निगमित तिकाय
अभिप्रेत है;

(ग) "व्यक्ति" से कोई ऐसा व्यक्ति अभिप्रेत है जो—

(i) कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा
2 के खंड (13) में यथापरिभाषित कंपनी का निदेशक
है या उस अधिनियम की धारा 307 के उपखंड (10)
के आधार पर कंपनी का निदेशक समझा जाता है;
या

(ii) कंपनी के निदेशक, नगरी या कर्मचारी का पद या
ऐसा पद धारण करता है जिसमें उसके और कंपनी के
बिच व्यक्ति या कर्मचारी संबंध अंतर्बलित है और
जिसके बारे में युक्तियुक्त प्रत्याशा की जा सकती है

- कि उसे उस कंपनी के संबंध में अप्रकाशित कामत संवेदनशील जानकारी तक पहुँच होगी;
- (घ) "प्रतिभूतियों में व्यवहार करना" से किसी व्यक्ति द्वारा मालिक या अधिकर्ता के रूप में किन्हीं प्रतिभूतियों में क्रय विक्रय या क्रय विक्रय या व्यवहार करने का करार करना अभिप्रेत है ;
- (ङ.) "अंतरंग व्यक्ति" से कोई ऐसा व्यक्ति अभिप्रेत है जो कंपनी के साथ संबद्ध है या या या कंपनी के साथ सख्त सम्बन्ध जाता है और जिसके बारे में यह प्रत्याशा की जाती है कि ऐसे संबंध के आधार पर उसे कंपनी की प्रतिभूतियों की बाबत अप्रकाशित कामत संवेदनशील जानकारी तक पहुँच है या जिसने ऐसी अप्रकाशित कामत संवेदनशील जानकारी प्राप्त की है या जिसे उस तक पहुँच रहा है ;
- (च) "अध्वेषण प्राधिकारी" से बोर्ड का कोई अधिकारी या कोई अन्य व्यक्ति अभिप्रेत है जो फर्म, निगमित निकाय या व्यक्ति संगम नहीं है जिसे प्रतिभूति बाजार से संबंधित समस्याओं के संबंध में कार्यवाही करने का अनुभव है और जो बोर्ड द्वारा अध्याय 3 के अधीन प्राधिकृत है ;
- (छ) "कंपनी का अधिकारी" से कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 2 के खंड (30) में व्यापारिभाषित कोई व्यक्ति है जिसके अन्तर्गत निम्नलिखित है ;
- (ज) "व्यक्ति के बारे में समझा जाता है कि वह संबंध व्यक्ति है," यदि ऐसा व्यक्ति,—
- (i) यथास्थिति, कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 70 की उपधारा (1ख) या धारा 372 की उपधारा (11) या एकाधिकार तथा अवरोधक व्यापारिक व्यवहार अधिनियम, 1969 (1969 का 54) की धारा 2 के उपखंड (8) के अर्थ के भीतर उसी प्रबंध या समूह के अधीन कंपनी है या उसकी कोई समनुषंगी कंपनी है ; या
- (ii) प्रतिभूति संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1956 (1956 का 42) की क्रमशः धारा 11 के खंड (ग) और धारा 17 के अर्थ के भीतर किसी स्टॉक एक्सचेंज का या उस स्टॉक एक्सचेंज के किसी समन्वोधन गृह का पदधारी या सचिव या प्रतिभूतियों में व्यवहारी या किसी स्टॉक एक्सचेंज के ऐसे सदस्य या व्यवहारी का कोई कर्मचारी है ;
- (iii) मजिस्ट्रेट, बैंक, सचिव अंतरंग अधिकारी, किसी निर्माण का रजिस्ट्रार, डिबेंचर रजिस्ट्रार, दाल, विभाग प्रबन्धक, विनिधान सलाहकार, उप-दाल, विनिधान कंपनी या उसका कर्मचारी है या किसी पारस्परिक निधि के रजिस्ट्रार, बोर्ड का सदस्य या किसी पारस्परिक निधि की आस्थि प्रबंध कंपनी के निदेशक बोर्ड का सदस्य है या उसका कर्मचारी है जिसका कंपनी के साथ वैयक्तिक संबंध है ;
- (iv) कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 4क में व्यापारिभाषित पक्षिक विनियम संस्था के निदेशक बोर्ड का सदस्य या कर्मचारी है ; या
- (v) मान्यताप्राप्त स्वतः विनियमनकारी संगठन का पदधारी या कर्मचारी या किसी विनियमनकारी निकाय के बोर्ड द्वारा प्राधिकृत है ; या
- (vi) पूर्व वर्णित व्यक्तियों में से किसी का नातेदार है ;
- (vii) कंपनी का बैंककार है ।

- (स) "नातेदार" से कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 6 में व्यापारिभाषित व्यक्ति अभिप्रेत है ;
- (झ) "स्टॉक एक्सचेंज" से वह स्टॉक एक्सचेंज अभिप्रेत है जो केन्द्रीय सरकार द्वारा प्रद्विभूति संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1956 (1956 का 42) की धारा 4 के अधीन मान्यताप्राप्त है ;
- (ट) "अप्रकाशित कामत संवेदनशील जानकारी" से ऐसी कोई जानकारी अभिप्रेत है जो निम्नलिखित बातों से संबंधित है या जिसका कंपनी में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष वास्ता है और जो माधारणतया ज्ञात नहीं होता है या जो माधारण की जानकारी के लिए ऐसी कंपनी द्वारा प्रकाशित नहीं की जाती है किन्तु जो यदि प्रकाशित की जाए या ज्ञात हो जाए तो उससे बाजार में उस कंपनी की प्रतिभूतियों की कीमत पर तत्त्विक रूप से प्रभाव पड़ना संभाव्य है—
- (i) कंपनी के (अर्ध-वार्षिक और वार्षिक दोनों) वित्तीय परिणाम ;
- (ii) लाभांशों (अंतरिम और अन्तिम दोनों) का प्रांगित घोषणा ;
- (iii) पब्लिक अधिकारों, बोनस, यादि के रूप में शेयरों का निर्गमन ;
- (iv) नई परियोजनाओं को कोई व्यापक विस्तार या निष्पादन ;
- (v) समामेलन, विलय और ग्रहण ;
- (vi) पूर्ण या आंशिक पूर्ण उपक्रम का व्यवहन ;
- (vii) ऐसी अन्य जानकारी जिससे कंपनी के उद्देश्यों पर प्रभाव पड़े ;
- (viii) कंपनी की नीतियों, योजनाओं या संक्रियाओं में कोई परिवर्तन ।

अध्याय 2

व्यवहार करने, सूचना देने या परामर्श देने पर प्रतिबंध

3. अंतरंग व्यापार से संबंधित बातों में व्यवहार करने, सूचना देने या परामर्श देने पर प्रतिबंध—कोई भा अंतरंग व्यक्ति—

- (i) किसी अप्रकाशित कामत संवेदनशील जानकारी के आधार पर किसी स्टॉक एक्सचेंज में सूचना देना कंपनी की प्रतिभूतियों में अपने निमित्त या किसी अन्य व्यक्ति के निमित्त व्यवहार नहीं करेगा,
- (ii) किसी व्यक्ति को किसी अप्रकाशित कामत संवेदनशील जानकारी की सूचना ऐसी जानकारी के लिए उसके अनुरोध पर या उसके बिना तब ही देना जब कारबार के मापूती अनुक्रम में या किसी विधि के अधीन अपेक्षित हो अन्यथा नहीं, या
- (iii) अप्रकाशित कामत संवेदनशील जानकारी के आधार पर किसी कंपनी की प्रतिभूतियों में व्यवहार करने के लिए किसी अन्य व्यक्ति को परामर्श नहीं देना या उसे उपाप्त नहीं करेगा ।

4. अंतरंग व्यापार से संबंधित उपबंधों का अतिक्रमण—कोई अंतरंग व्यक्ति जो विनियम 3 के उपबंधों के उल्लंघन में प्रतिभूतियों में व्यवहार करता है या प्रतिभूतियों में व्यवहार करने वाले किसी व्यक्ति को किसी जानकारी की सूचना देता है या परामर्श देता है वह अंतरंग व्यापार का दोषी होगा ।

अध्याय 3

अन्वेषण

5. बोर्ड का अन्वेषण करने का अधिकार :—(1) जहाँ बोर्ड को अपने कब्जे में लिखित जानकारी के आधार पर यह राय है कि उप-विनियम (2) में विनिर्दिष्ट प्रयोजनों में से किसी के लिए किसी अंतरंग व्यक्ति की लेखा-बहियाँ, अन्य अभिलेखों और दस्तावेजों का अन्वेषण और निरीक्षण करना आवश्यक है वहाँ यह उक्त प्रयोजन के लिए अन्वेषण प्राधिकारी नियुक्त कर सकेगा।

(2) उप-विनियम (1) में निर्दिष्ट प्रयोजन निम्नलिखित हों सकेंगे:

(क) अंतरंग व्यापार के अभिकथनों से संबंधित किसी बात पर विनिधानकर्ताओं, मध्यवर्तियों या किसी अन्य व्यक्ति से प्राप्त शिकायतों का अन्वेषण करना; और

(ख) इन विनियमों के भाग के विरुद्ध प्रतिभूतियों में विनिधानकर्ताओं के हित का संरक्षण करने के लिए अपने ज्ञान या अपने कब्जे में जानकारी पर स्वप्रेरणा से अन्वेषण करना।

6. अन्वेषण के लिए प्रक्रिया :—(1) विनियम 5 के अधीन कोई अन्वेषण करने के पूर्व बोर्ड अंतरंग व्यक्ति का उक्त प्रयोजन के लिए युक्ति-युक्त सूचना देगा।

(2) उप-विनियम (1) में किसी बात के होने हुए भी जहाँ बोर्ड का समाधान हो जाता है कि विनिधानकर्ताओं या लोकहित में ऐसी सूचना नहीं देनी चाहिए वहाँ वह लिखित आदेश द्वारा निदेश दे सकेगा कि ऐसी सूचना के बिना ही अन्वेषण किया जाए।

(3) बोर्ड द्वारा सशक्त किए जाने पर अन्वेषण प्राधिकारी अन्वेषण करेगा और लेखा-बहियों का निरीक्षण करेगा और अंतरंग व्यक्ति जिसके विरुद्ध अन्वेषण किया जा रहा है विनियम 7 में उपबंधित अपनी बाध्यताओं का निर्वाहन करने के लिए आबद्ध होगा।

7. बोर्ड द्वारा अन्वेषण पर अंतरंग व्यक्ति का हस्तक्षेप :—(1) प्रत्येक अंतरंग व्यक्ति का जिसके विरुद्ध अन्वेषण किया जा रहा है यह कर्तव्य होगा कि वह ऐसी बहियाँ, लेखा और अपनी अभिरक्षा और नियंत्रण में अन्य दस्तावेजों अन्वेषण प्राधिकारी के समक्ष पेश करे और प्राधिकारी को प्रतिभूति बाजार में संव्यवहारों से संबंधित विवरण और जानकारी ऐसे समय के भीतर दे जिसकी उक्त प्राधिकारी अपेक्षा करे।

(2) अंतरंग व्यक्ति अन्वेषण प्राधिकारी का ऐसे अंतरंग व्यक्ति के अधिभाग में परिसरों तक युक्तियुक्त पहुंच का अनुज्ञा देगा और स्टॉक-दाल या किसी अन्य व्यक्ति के कब्जे में कहीं बहियाँ, अभिलेखों, दस्तावेजों और कम्प्यूटर डाटा की परीक्षा करने के लिए युक्तियुक्त सुविधा भी देगा और ऐसे दस्तावेजों या अन्य सामग्री की प्रतियाँ भी देगा जो अन्वेषण प्राधिकारी की राय में गुप्त हैं।

(3) अन्वेषण प्राधिकारी, अन्वेषण के दौरान अंतरंग व्यक्ति के किसी सदस्य, निदेशक, भागीदार, स्वत्वधारी और कर्मचारी की परीक्षा करने और कथन लेखबद्ध करने का हकदार होगा।

(4) अंतरंग व्यक्ति के प्रत्येक निदेशक, स्वत्वधारी, भागीदार, अधिकारी और कर्मचारी का यह कर्तव्य होगा कि वह अन्वेषण प्राधिकारी को अन्वेषण के संबंध में सभी सहायता दे जिसके देने की अंतरंग व्यक्ति से युक्तियुक्त रूप से प्रत्याशा की जा सकती है।

8. बोर्ड को रिपोर्ट प्रस्तुत करना :—अन्वेषण प्राधिकारी अन्वेषण की समाप्ति से एक मास के भीतर अन्वेषण रिपोर्ट बोर्ड को प्रस्तुत करेगा।

9. निष्कर्षों आदि की सूचना :—(1) बोर्ड अन्वेषण रिपोर्ट पर विचार के पश्चात् अंतरंग व्यक्ति को निष्कर्षों की सूचना देगा और इससे पूर्व कि अन्वेषण प्राधिकारी के निष्कर्षों पर बोर्ड द्वारा कोई कार्रवाई की जाती है उसे सुने जाने का अवसर दिया जाएगा।

(2) अंतरंग व्यक्ति से स्पष्टीकरण की, यदि कोई हो, प्राप्ति पर बोर्ड अंतरंग व्यक्ति से ऐसे उपाय करने की अपेक्षा कर सकेगा जो बोर्ड विनिधानकर्ताओं के हित का संरक्षण करने के लिए और प्रतिभूति बाजार के हित में तथा अधिनियम, उसके अधीन बनाए गए नियमों और इन विनियमों के सम्यक् पालन के लिए ठीक समझे।

10. लेखा परीक्षक को नियुक्ति :—विनियम 5 में किसी बात के होते हुए भी बोर्ड अंतरंग व्यक्ति को लेखा-बहियों या कामकाज का अन्वेषण करने के लिए एक अलैखिकारीयक को नियुक्ति कर सकेगा, परंतु यह कि इस प्रकार नियुक्त लेखापरीक्षक को अन्वेषण प्राधिकारी की वही शक्तियाँ होंगी जो विनियम 5 में कथित हैं और अंतरंग व्यक्ति का वे वाध्याएँ होंगी जो विनियम 7 में हैं।

11. बोर्ड द्वारा निदेश :—विनियम 9 के उप-विनियम (2) के अधीन अंतरंग व्यक्ति से प्राप्त स्पष्टीकरण पर यदि कोई है, बोर्ड अधिनियम की धारा 24 के अधीन दार्ष्टिक प्रयोजन आरंभ करने के अपने अधिकार पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना विनिधानकर्ताओं के हित का संरक्षण करने और प्रतिभूति बाजार के हित में तथा अधिनियम, उसके अधीन बनाए गए नियमों और इन विनियमों के उपबंधों के सम्यक् पालन के लिए ऐसे निदेश दे सकेगा जो निम्नलिखित सभी प्रयोजनों या उनमें से किसी के लिए वह ठीक समझे, अर्थात् :—

(क) अंतरंग व्यक्ति को निदेश देना कि वह प्रतिभूतियों में किसी विशेष रीति में व्यवहार न करे;

(ख) इन विनियमों के प्रतिक्रमण में प्रयुक्त किन्हीं भी प्रतिभूतियों के बयान से अंतरंग व्यक्ति का प्रतिबिम्ब करना;

(ग) प्रतिभूतियों में व्यवहार करने के लिए किसी व्यक्ति को सूचना देने या परामर्श देने से अंतरंग व्यक्ति को निर्वन्धित करना।

12. केन्द्रीय सरकार को अपील :—इन विनियमों के अधीन बोर्ड के आदेश से व्यक्ति कोई व्यक्ति केन्द्रीय सरकार को अपील कर सकेगा।

जॉ. बी. रामकृष्ण, अध्यक्ष,
भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड

SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA

NOTIFICATION

Bombay, the 19th November, 1992
Securities and Exchange Board of India
(Insider Trading) Regulations, 1992

No. LE/6308/92.—In exercise of the powers conferred by section 30 of the Securities and Exchange Board of India Act, 1992 (15 of 1992), the Board with the previous approval of the Central Government, hereby makes the following regulations, namely :—

CHAPTER I

PRELIMINARY

1. Short title and commencement.—(1) These regulations may be called the Securities and Exchange Board of India (Insider Trading) Regulations, 1992.

(2) These regulations shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Definitions.—In these regulations, unless the context otherwise requires :—

(a) “Act” means the Securities and Exchange Board of India Act, 1992 (15 of 1992);

(b) “body corporate” means a body corporate as defined in section 2 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956);

(c) “connected person” means any person who—

(i) is a director, as defined in clause (13) of section 2 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) of a company, or is deemed to be a director of that company by virtue of sub-clause (10) of section 307 of that Act or

(ii) occupies the position as an officer or an employee of the company or holds a position involving a professional or business relationship between himself and the company and who may reasonably be expected to have an access to unpublished price sensitive information in relation to that company :

(d) “dealing in securities” means an act of buying, selling or agreeing to buy, sell or deal in any securities by any person either as principal or agent;

(e) “insider” means any person who, is or was connected with the company or is deemed to have been connected with the company and is reasonably expected to have access, by virtue of such connection, to unpublished price sensitive information in respect of securities of the company, or who has received or has had access to such unpublished price sensitive information;

(f) “investigating authority” means any officer of the Board or any other person, not being a firm, body corporate or an association of persons, having experience in dealing with the problems relating to the securities market and who is authorised by the Board under Chapter III;

(g) “officer of a company” means any person as defined in clause (30) of section 2 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) including an auditor of the company;

(h) “person is deemed to be a connected person”, if such person—

(i) is a company under the same management or group, or any subsidiary company thereof within the meaning of sub-section (1B) of section 370, or sub-section (11) of section 372, of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) or sub-clause (g) of section 2 of the Monopolies and Restrictive Trade Practices Act, 1969 (54 of 1969) as the case may be; or

(ii) is an official or a member of a stock exchange or of a clearing house of that stock exchange, or a dealer in securities within the meaning of clause (c) of section 2, and section 17 of the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956 (42 of 1956) respectively, or any employee of such member or dealer of a stock-exchange;

(iii) is a merchant banker, share transfer agent, registrar to an issue, debenture trustee, broker, portfolio manager, Investment Advisor, sub-broker, Investment Company or an employee thereof, or is member of the Board of Trustees of a mutual fund or a member of the Board of Directors of the Asset Management Company of a mutual fund or is an employee thereof, who have a fiduciary relationship with the company :

(iv) is a Member of the Board of Directors or an employee of a public financial institution as defined in section 4A of the Companies Act 1956; or

(v) is an official or an employee of a self Regulatory organisation recognised or authorised by the Board of a regulatory body; or

(vi) is a relative of any of the aforementioned persons;

(vii) is a banker of the company.

(i) “relative” means a person, as defined in section 6 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956),

(j) “stock exchange” means a stock exchange which is recognised by the Central Government under section 4 of Securities Contracts (Regulation) Act, 1956 (42 of 1956);

(k) “unpublished price sensitive information” means any information which relates to the following matters or is of concern, directly or indirectly, to a company, and is not generally known or published by such company for general information, but which if published or known, is likely to materially affect the price of securities of that company in the market—

(i) financial results (both half-yearly and annual) of the company;

(ii) intended declaration of dividends (both interim and final);

(iii) issue of shares by way of public rights, bonus, etc.;

(iv) any major expansion plans or execution of new projects;

(v) amalgamation, mergers and takeovers;

(vi) disposal of the whole or substantially the whole of the undertaking;

- (vii) such other information as may affect the earnings of the company.
- (viii) any changes in policies, plans or operations of the Company.

CHAPTER II

PROHIBITION ON DEALING, COMMUNICATING OR COUNSELLING

3. Prohibition on dealing, communication or counselling on matters relating to insider trading.—No insider shall —

- (i) either on his own behalf or on behalf of any other person, deal in securities of a company listed on any stock exchange on the basis of any unpublished price sensitive information; or
- (ii) Communicate any unpublished price sensitive information to any person, with or without his request for such information, except as required in the ordinary course of business or under any law; or
- (iii) counsel or procure any other person to deal in securities of any company on the basis of unpublished price sensitive information.

4. Violation of provisions relating to insider trading.—Any insider who deals in securities or communicates any information or counsels any person dealing in securities in contravention of the provisions of regulation 3 shall be guilty of Insider trading.

CHAPTER III

INVESTIGATION

5. Board's right to investigate.—(1) Where the Board, on the basis of written information in its possession, is of the opinion that it is necessary to investigate and inspect the books of account, other records and documents of an insider for any of the purposes specified in sub-regulation (2), it may appoint an investigating authority for the said purpose;

(2) The purposes referred to in sub-regulation (1) may be as follows :

- (a) to investigate into the complaints received from investors, intermediaries or any other person on any matter having a bearing on the allegations of insider trading; and
- (b) to investigate suo-moto upon its own knowledge or information in its possession to protect the interest of investors in securities against breach of these regulations

6. Procedure for investigation.—(1) Before undertaking any investigation under regulation 5 the Board shall give a reasonable notice to insider for that purpose.

2839 GI/92-2

(2) Notwithstanding anything contained in sub-regulation (1), where the Board is satisfied that in the interest of investors or in public interest no such notice should be given, it may be an order in writing direct that the investigation be taken up without such notice.

(3) On being empowered by the Board, the investigation authority shall undertake the investigation and inspection of books of account and the insider against whom an investigation is being carried out shall be bound to discharge his obligations as provided in regulation 7.

7. Obligations of insider on investigation by the Board.—(1) It shall be the duty of every insider, who is being investigated, to produce to the investigating authority such books, accounts and other documents in his custody or control and furnish the authority with the statements and information relating to the transactions in securities market within such time as the said authority may require.

(2) The insider shall allow the investigating authority to have reasonable access to the premises occupied by such insider and also extend reasonable facility for examining any books, records, documents and computer data in the possession of the stock-broker or any other person and also provide copies of documents or other materials which in the opinion of the investigating authority are relevant.

(3) The investigating authority, in the course of investigation, shall be entitled to examine or record statements of any member, director, partner, proprietor and employee of the insider.

(4) It shall be the duty of every director, proprietor, partner, officer and employee of the insider to give to the investigating authority all assistance in connection with the investigation, which the insider may be reasonably expected to give.

8. Submission of Report to the Board.—The investigating authority shall, within one month of the conclusion of the investigation submit an investigation report to the Board.

9. Communication of Findings etc.—(1) The Board shall after consideration of the investigation report communicate the findings to the insider and he shall be given an opportunity of being heard before any action is taken by the Board on the findings of the investigating authority.

(2) On receipt of the explanation, if any, from the insider, the Board may call upon the insider to take such measures as the Board may deem fit to protect the interest of investors and in the interest of the securities market and for due compliance with the provisions of the Act, rules made thereunder and these regulations.

10. Appointment of Auditor.—Notwithstanding anything contained in regulation 5, the Board may appoint a qualified auditor to investigate into the books of account or the affairs of the insider; Provided that, the auditor so appointed shall have the

same powers of the inspecting authority as stated in regulation 5 and the insider shall have the obligations specified in regulation 7.

11. Directions by the Board.—On receipt of the explanation, if any, from the insider under sub-regulation (2) of regulation 9, the Board may without prejudice to its right to initiate criminal prosecution under section 24 of the Act, give such directions to protect the interest of investors and in the interest of the securities market and for due compliance with the provisions of the Act, rules made thereunder and these regulations, as it deems fit for all or any of the following purposes, namely :—

- (a) directing the insider not to deal in securities in any particular manner;
- (b) prohibiting the insider from disposing of any of the securities acquired in violation of these regulations;
- (c) restraining the insider to communicate or counsel any person to deal in securities.

12. Appeal to the Central Government.—Any person aggrieved by an order of the Board under these regulations may prefer an appeal to the Central Government.

G. V. RAMAKRISHNA, Chairman,
Securities & Exchange Board of India.